(a) the number of trusts engaged in Indological Studies registered with the Trusts Circle in 1983-84 all over India; and

(b) the number of these Trusts which bring out research journals and research publications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI S. M. KRISHNA): (a) and (b) The figure of trusts engaged in Indological Studies is not available. Considering the very large number of trusts dealt with in Trust Circles considerable time and labour will be involved in collecting these figures by reference to assessment records.

Regular air service from Madras to Gulf countries

1145. SHRI R. MOHANARANGAM:
MISS JAYALALITHA:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to start regular air service from Madras to Gulf countries; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHEED ALAM KHAN): (a) A weekly Airbus service on the Madras-Abu Dhabi-Sharjah-Abu, Dhabi-Madras sector is already being operated by Air India.

(b) Does not arise.

जवानों को पदोन्नति के अच्छे अवसर

1146. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या रक्षा मंत्री 13 मार्च, 1984 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 1597 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पदों की कमी बने रहने के कारण जवानों की अपेक्षा रक्षा अधिकारियों को प्रोन्नति के बेहतर अवसर प्राप्त हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार रिक्त पदों के उपलब्ध न होने पर भी जवानों को प्रोन्नति देने का विचार रखती है ताकि उनकी सेवा की अवधि अधिक हो तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकें ; और

(ग) क्या यह सच है कि प्रोन्नति के लिए पदों के उपलब्ध न होने के कारण जवानों को कम सुविधाओं के साथ और कम वेतन पर कम उम्र में ही सेवा निवृत्त होना पड़ता है जबकि इसमें उनकी अपनी कोई त्रुटि नहीं होती ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) से (ग) अफसरों और जवानों की पदोन्नति की संभावनाओं की तुलना करना संभव नहीं है क्योंकि उनकी सेवा शर्तें शैक्षिक अर्हताओं, प्रशिक्षण और दायित्वों पर आधारित होती हैं। सेना की संगठनात्मक आवश्यकताओं, कमान की संरचना और सेना का युवास्वरूप बनाए रखने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति के अवसरों और जवानों के लिए भर्ती की शर्तों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है। तथापि इस बात को देखते हुए कि जवान छोटी आयु में ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं, सेवानिवृत्त सैनिकों के पुनर्वास के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

केन्द्रीय रेशम बोर्ड का अध्यक्ष

1147. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या वाणिज्य मंत्री 13 मार्च, 1984 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1599 के दिये